परिवर्तन

'माइन वाटर यूटिलाइजेशन' से बकही ग्राम में खुशहाली

उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना के नेतृत्व में साकार हुआ जनकल्याण का संकल्प

नवभारत,धनपुरी। सोहागपुर क्षेत्र के शारदा हाई-वाल प्रोजेक्ट अंतर्गत बकही ग्राम (जिला अनूपपुर, म.प्र.) में वर्षों से व्याप्त जल संकट अब इतिहास बनता नजर आ रहा है। यह उल्लेखनीय परिवर्तन उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना के कुशल मार्गदर्शन, दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष परिणाम है। महाप्रबंधक बी के जेना के निर्देशन में उप क्षेत्रीय प्रबंधक शारदा बुढार ग्रुप पी रमन्ना ने 'माइन वाटर यूटिलाइजेशन' जैसी अभिनव पहल को साकार करते हुए ग्रामवासियों के जीवन में नई उम्मीदों का संचार किया है।

बकही ग्राम लंबे समय से पेयजल की भीषण समस्या से जूझ रहा था। जलस्रोतों के अभाव के कारण ग्रामीणों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता था, जिससे उनका दैनिक जीवन अत्यंत कठिन और श्रमसाध्य बन गया था। कई बार तो स्थिति इतनी विकट हो जाती थी कि लोगों को केवल टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था। यह समस्या वर्षों से चली आ रही थी, लेकिन अब इसके स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाया गया है। मुख्य महाप्रबंधक श्री बी. के. जेना के मार्गदर्शन में प्रबंधन ने परित्यक्त ट्रेंच में संचित जल के समुचित उपयोग का निर्णय लिया। इसी सोच के तहत लगभग 1 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर उस जल को ग्राम की जल टंकी तक पहुंचाया गया। यह तकनीकी रूप से सशक्त और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सराहनीय पहल है, जिसने ग्रामवासियों को जल संकट से मुक्ति दिलाई है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के बाद बकही ग्राम में अब नियमित रूप से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो गई है। इससे ग्रामीणों के जीवन में अभूतपूर्व बदलाव आया है। जहां पहले पानी के लिए संघर्ष उनकी दिनचर्या का हिस्सा था, वहीं अब सहजता और संतुलन ने उनकी जीवनशैली को नई दिशा दी है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह सुविधा किसी वरदान से कम नहीं है। एसईसीएल प्रबंधन की यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। मुख्य महाप्रबंधक श्री जेना के नेतृत्व में जिस प्रकार जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस समस्या का समाधान किया गया है, वह निस्संदेह प्रशंसनीय है। यह प्रयास यह दर्शाता है कि यदि नेतृत्व में संवेदनशीलता और दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो औद्योगिक संसाधनों का उपयोग समाज के कल्याण के लिए भी प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके जीवन में स्थिरता और सुविधा का नया अध्याय शुरू हुआ है। यह परियोजना केवल जल आपूर्ति का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और समर्पण की मिसाल बन गई है। निस्संदेह, मुख्य महाप्रबंधक बी. के. जेना के कुशल नेतृत्व में किया गया यह कार्य अन्य परियोजनाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा। यह पहल बताती है कि विकास तभी सार्थक है, जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत और सुविधा पहुंचाए। वैसे भी अगर देखा जाए तो इसके पूर्व भी प्रबंधन के द्वारा केवल बेचकर पानी सप्लाई का प्रबंध किया गया था लेकिन अज्ञात चोरों के द्वारा कॉवल की चोरी कर ली गई थी जिस कारण से समस्या बनी रही लेकिन अब प्रबंधन ने पूरी तरह से समस्या के समाधान को लेकर कोरबा से अल्युमिनियम तार को मंगवाया और इसके बाद पेयजल को शुरू करवाया दूसरी तरफ अगर देखा जाए तो जिस तरह से प्रबंधन ने इस बड़ी समस्या का समाधान किया है इसे लेकर हर कोई उसकी सराहना भी कर रहे हैं वैसे भी अगर देखा जाए तो उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना ने पदभार ग्रहण करने के बाद व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में जितने प्रयास कर रहे हैं उतने ही प्रयास हुए आसपास के क्षेत्र को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने को लेकर भी करते हुए देखे जा रहे हैं पेयजल से जुड़ा यह मुद्दा कहीं ना कहीं लंबे समय से एक समस्या बनी हुई थी जो आज प्रबंधन के कुशल मार्गदर्शन में बेहतर हुई।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 121 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

नवभारत,गोहपारु (शहडोल)। जनपद पंचायत गोहपारु के तत्वावधान में आज 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' के अंतर्गत एक भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस गरिमामय आयोजन में कुल 121जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार और रीति-रिवाजों के साथ एक-दूसरे का हाथ थामा और दांपत्य जीवन में प्रवेश किया।

उत्सव सा रहा माहौल

कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल बना रहा। रंग-बिरंगे पंडाल, मंगल गीतों की गूंज और नव-दंपत्तियों के परिजनों की भारी मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया। स्थानीय प्रशासन द्वारा वर-वधू पक्ष के लिए बैठने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

योजना का लाभ और उपहार

शासन की मंशा के अनुरूप, नव-विवाहित जोड़ों को गृहस्थी स्थापना के लिए आवश्यक सामग्री और सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। उपस्थित अतिथियों ने नव-दंपत्तियों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया। 'गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह योजना एक बड़ा संबल है। एक ही मंडप के नीचे 121 जोड़ों का विवाह संपन्न होना सामाजिक समरसता का बेहतरीन उदाहरण है।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक मुस्तैदी

आयोजन को सफल बनाने में जनपद पंचायत सीईओ माननीय विधायक मैम ,एस डी ?म मैम कमिश्नर मैम तहसीलदार मैम चुहिरी मंडल अध्यक्ष राजीव तिवारी गोहपारू मण्डल अध्यक्ष राजीव शर्मा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारी दल की मुख्य भूमिका रही। विवाह पंजीयन से लेकर विदाई तक की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से पूरा किया गया ताकि किसी भी परिवार को असुविधा न हो।

जिला आपूर्ति नियंत्रक शहडोल हुए सेवानिवृत

- जिला आपूर्ति नियंत्रक सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी- अपर कलेक्टर

नवभारत,शहडोल । कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में जिला आपूर्ति नियंत्रक शहडोल विपिन पटेल के अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह ने कहा कि सेवा निवृत होना एक शासकीय प्रक्रिया है, शासकीय सेवा में आने वाले सेवकों को एक न एक दिन सेवा निवृत अवश्य होना है। उन्होंने कहा कि सेवा निवृत जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने अपने विभाग के कार्यों को बड़ी कुशलता पूर्वक, जिम्मेदारी और कर्तव्य पारायणता के साथ निर्वहन किया है जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि श्री पटेल अब अपने सरकारी दायित्व से मुक्त हो रहे और जो जीवन बचा उसे अपने घर परिवार के साथ व्यतीत करें। कार्यक्रम को अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुद्रिका सिंह ने भी संबोधित किया।

सेवानिवृत जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने कहा कि मेरे सेवाकाल कार्य के आधिकारियों एवं कर्मचारियों को जो सहयोग, प्रेम और इसने मिला वह अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों के अनुभवों को भी साझा किया। ज्ञात हो कि सेवा निवृत जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन पटेल वर्ष 1989 में शासकीय सेवक के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ किया। श्री पटेल मंडला, सतना, नरसिंहपुर, सीधी, बालाघाट, अनूपपुर, शिवपुरी एवं शहडोल में वर्ष 2022 से अब तक अपने दायित्वों का सकुशल निर्वहन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सरोधन सिंह सहित उपस्थित अधिकारियों ने सेवानिवृत्ति विपिन पटेल को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्हकर भेंटकर उज्जवल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एंटोनियो एक्का, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंद राय सिंहा सहायक आपूर्ति नियंत्रक प्रदीप द्विवेदी, दिनेश प्रजापति सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शुभदीप खरे ने किया।

चार शातिर चोर गिरफ्तार, पांच लाख का माल जब्त

जबलपुर। पनागर अंतर्गत हुई नकबजनी मामले में पुलिस ने चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से चुराये हुये सोने चांदी के जेवर कीमती 5 लाख रूपये के जप्त किए गए। नगर पुलिस अधीक्षक अधारताल श्रीमति राजेश्वरी कौरव ने बताया कि 28 अप्रैल को अज्ञात चोर गणेश प्रसाद लोधी 58 वर्ष निवासी सुभाष वार्ड के सूने मकान के ताले काटकर, अलमारी के लाकर का ताला तोडक़र सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गए थे। फुटेज के आधार पर किशन कुशवाह उर्फ बब्बा पिता लिक्खू कुशवाहा 26 वर्ष निवासी कछियाना मोहल्ला विनोवा भावे वार्ड पनागर एवं शिवा कुशवाहा पिता संजय कुशवाहा 29 वर्ष निवासी इंद्रा चौक प्रताप वार्ड पनागर, गुलाम मुस्तफा उर्फ गोपी पिता अब्दुल रहमान 46 वर्ष निवासी गोहलपुर एवं आरिफ अंसारी पिता राजू उर्फ रज्जब 32 वर्ष निवासी गोहलपुर को प कड़ा गया। जिन्होंने नकबजनी की घटना करना स्वीकार करते हुये चुराये हुये जेवरों को आपस में बांट लेना बताये। आरोपियों की निशादेही पर चुराये हुये सोने चांदी के जेवर कीमती लगभग 5 लाख रूपये के जप्त करते हुये चारों आरोपियों को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी गुलाम मुस्तफा एवं आरिफ अंसारी द्वारा पूर्व में लार्डगंज अंतर्गत ज्वेलरी शॉप में साढ़े पॉच करोड की नकबजनी को अंजाम दिया गया था। ज्वेलरीशॉप में सनसनीखेज नकबजनी के प्रकरण में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चुराये हुये सोने के जेवर वजनी 10 किलो 252 ग्राम 070 मिली ग्राम कीमती 5 करोड़ 43 लाख 43 हजार 500 रूपये के एवं घटना में प्रयुक्त कटर, इनोवा एवं मोटर सायकिल जप्त की गयी थी। इसी प्रकार उल्लेखनीय है कि पकड़ा गया आरोपी किशन कुशवाहा एक शातिर नकबजन एवं वाहन चोर है जिसके विरूद्ध कोतवाली, पनागर, गढा, लार्डगंज, मदनमहल, संजीवनी नगर, गोहलपुर, विजय नगर, मझोली, कटंगी मझगवॉ में 15 अपराध हत्या, लूट, चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, के अपराध दर्ज हैं। वर्ष 2017 में थाना मगगवॉ अंतर्गत रामसेवक सोनी के घर में घुसकर किराना दुकान से नगदी रूपये चोरी करते समय जाग जाने पर रामसेवक सोनी की मुंह एवं गला दबाकर हत्या कर दी थी।

शहर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने सिटीजन दें सकारात्मक फीडबैक

- शहर के गौरव बढ़ाने ननि का जागरूकता अभियान

जबलपुर। शहर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने नगर निगम ने पूरी ताकत झोंक दी है । स्वच्छता में जबलपुर को इस बार प्रथम पायदान पर पहुँचाने महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में नगर निगम द्वारा बड़े पैमाने पर जमीनी स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रयासों के अंतर्गत स्वच्छता टीम के सदस्यों द्वारा शहरभर में घर-घर दस्तक देकर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप शहर भर में स्वच्छता के कार्यो को भी जमीनी धरातल पर कराया जा रहा है। इसके साथ-साथ सिटी ब्यूटीफिकेशन के लिए भी पेंटिंग, वॉल राईटिंग, पौधरोपण, कबर्ड जाली का निर्माण, दोनों पालियों में बेहतर सफाई के साथ-साथ रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था और घर-घर से कचरा प्रबंधन के कार्य भी व्यवस्थित तरीके से लगातार कराये जा रहे हैं। इसके अलावा स्वच्छता मापदण्डों के तहत् शहर में गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों के साथ-साथ शहर की सफाई व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने कई प्रकार के प्लांटों की स्थापना कर बेहतर संचालन से शहर की सफाई व्यवस्था एवं स्वच्छता अभियान में बहुत तेजी आई है। इस वर्ष जबलपुर स्वच्छता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने को टारगेट करते हुए जमीनी धरातल पर कार्य कर रहा है।

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार ने फीडबैक देने के लिए क्यूआर कोड जारी कर दिया है। शहर में इन दिनों इसको लेकर जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है। नगर निगम टीम के सदस्यों ने आमजन को फीडबैक देने के लिए जागरूक कर रहे हैं। वे लिंक और क्यूआर कोड भी दे रहे हैं। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि इस फीडबैक के लिए मोबाइल पर एक ओटीपी भी आता है।

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि शहरवासी अपना नंबर दर्ज कर फीडबैक दे सकते हैं। इसके लिए फीडबैक देने से पहले एक ओटीपी मोबाइल पर आएगा पूरा फीडबैक सबमिट होने के बाद ही ओटीपी सबमिट करना है। फीडबैक के सवालों का जवाब विकल्प के रूप में मौजूद रहता है।

13 सवालों के देने होंगे जवाब- क्या आपके घर, दुकान से रोजाना कचरा उठाया जाता है? क्या आपका घर, दुकान कचरे को फेंकने से पहले कम से कम सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग करता है? क्या कचरा उठाने वाला कचरा अलग-अलग तरीके से (कैटेगरी के अनुसार) उठाकर गाड़ी में डालता है, या उठाने, लोड करने के दौरान उसे मिला देता है? क्या आपके इलाके में रोजाना झाड़ू लगाई जाती है? आप आपने इलाके की साफ-सफाई को साफ-सफाई के मामले में कैसे रेट करेगें? आप आपने इलाके के आस-पास कितनी बार लावारिस कूड़े के ढेर या कचरे के ढेर देखते हैं? समेत कुल 13 सवालों के जवाब देंगे होगे ।

फीडबैक दें, शहर का मान राष्ट्रीय स्तर पर और बढ़ेगा- महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पार्षद साथियों, सभी शासकीय-अशासकीय विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, स्वयं सेवी संगठनों एवं व्यापारी बंधुओं से भी अपील की है कि अपने शहर को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने शहरहित में स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 की प्रतियोगिता में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करते हुए साकारात्मक फीडबैक दें ताकि अपने शहर का मान राष्ट्रीय स्तर पर और बढ़ सके।

नाबालिग को बहला कर ले गए थे, लाखों में की सौदेबाजी, फिर 2 लाख में ब्याहा

जबलपुर। मानव तस्करी के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी मनीष सपेरा और उसके भांजे अर्जुन सपेरा को गुना से गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल घमापुर थाना क्षेत्र से लापता हुई एक नाबालिग लडक़ी को आरोपी बहला कर ले गए थे और लाखों में सौदेबाजी की थी। साजिश के तहत शाजापुर में 2 लाख रुपये में बेच दिया था। जिसके बाद उसका ब्याहा भी कराया गया था।

सीएसपी आशीष जैन ने बताया कि 6 दिसंबर 2025 को नाबालिग के अपहरण की रिपोर्ट उसके पिता ने दर्ज कराई थी। शुरुआती जांच में पुलिस ने लडक़ी के मित्र सुमित चौहान को हिरासत में लिया। उससे मिली जानकारी और साइबर सेल की मदद से पुलिस की एक टीम सुजालपुर पहुँची, जहाँ आकाश मेवाड़ा के घर से पीड़िता को सुरक्षित दस्तयाब किया गया था। पीड़िता ने पुलिस को अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि उसे मनीष सपेरा और उसके साथियों ने झांसा दिया और सुजालपुर निवासी आकाश मेवाड़ा को 2 लाख रुपये में बेच दिया था। आकाश उसे जबरन पत्नी बनाकर रख रहा था। विवेचना महिला थाना जबलपुर को सौंपी गई और पुलिस की कई टीमें सीहोर, राजगढ़, ब्यावरा और सिरोंज के लिए रवाना की गईं। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस अब तक सात आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। राकेश कोरवे निवासी सीहोर, हेमराज कुमारिया निवासी शाजापुर, हेमराज गौड़ निवासी ब्यावरा और राय सिंह निवासी राजगढ़ को 2 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। इन्होंने कबूला था कि सौदे की रकम आपस में बांटी गई थी। 15 मार्च को महिला आरोपी जतन बाई को राजगढ़ से दबोचा गया था। गिरोह के मुख्य सरगना मनीष सपेरा और अर्जुन सपेरा जो लंबे समय से फरार थे, उन्हें पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और तकनीकी सहायता के आधार पर अब गुना से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस को अंदेशा है कि यह गिरोह क्षेत्र में अन्य लड़कियों की तस्करी में भी शामिल हो सकता है। फिलहाल सभी आरोपी न्यायिक अभिरक्षा जेल में हैं।

मौसम

अंधड़ से आधे शहर की बिजली व्यवस्था हुई ठप

धूलभरी आंधी के बाद सात घण्टे बिजली गुल

जबलपुर । शहर में गुरूवार को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को उस वक्त राहत मिली जब दोपहर में आसमान में काले बादल छा गए और शाम ढलते ही देखते ही देखते तेज धूलभरी आंधी चलने लगी। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि सडक़ों पर दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे यातायात की गति भी धीमी पड़ गई। आंधी के साथ ही रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया। जिससे तपती गर्मी से लोगों को राहत मिली । शाम के समय लोग सुहावने मौसम का आनंद लेने के लिए घरों से बाहर निकले। मौसम में आए इस बदलाव का सबसे ज्यादा असर बिजली आपूर्ति पर भी पड़ा। तेज आंधी के कारण आधे शहर की बिजली व्यवस्था ठप हो गई । बिजली फाल्ट ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया था विभागीय सूत्रो के अनुसार शाम पाँच बजे नेपियर टाउन, राइट टाउन, आधारताल, ग्वारीघाट सहित अन्य क्षेत्रों की बिजली अचानक आंधी तूफान के कारण गोल हो गई। जो देर रात तक चालू नहीं हो सकी थी। लोग कटौती के बारे में फोन कर रहे थे, तो उन्हें केंद्र से फीडर में फाल्ट और जल्द ही निर्बाध बिजली आपूर्ति की बात बता रहे थे बिजली कटौती की सही जानकारी देने के बजाय उपभोक्ताओं को फॉल्ट के कारण आपूर्ति प्रभावित होने की बात कही गयी, लेकिन सच्चाई कुछ और थी जानकारी के अनुसार 33 केवी तार में आई तकनीकी खराबी के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित हुई थी। अब सवाल यह उठता है कि क्या स्मार्ट सिटी कहलाने वाला जबलपुर शहर अब एक बड़ा गॉव बनकर रह गया है। सिर्फ शहरी क्षेत्र नहीं बल्कि ग्रामीण इलाके जैसे बोरिया, बेलखाडू, कटंगी में भी बिजली ने लोगो को खूब रुलाया था।

ऐसा रहा तापमान

गुरूवार को अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 2 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। सुबह के वक्त आद्रता 43 और शाम को 28 प्रतिशत दर्ज की गई। उत्तर-पश्चिम हवाएं चार किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली।

गरज चमक के साथ बारिश के आसार

एक नया पश्चिमी विक्षोभ 2 मई से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो गरज चमक के साथ बारिश के आसार है। मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों में रुक-रुक कर बारिश और हवाएं चलने की संभावना जताई है।

ये सिस्टम हैं सक्रिय

मौसम विभाग की माने तो एक पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवातीय परिसंचरण के रूप में कश्मीर और निकटवर्ती क्षेत्र में माध्य समुद्र तल से 3.1 से 5.8 किमी की ऊंचाई पर अवस्थित है। एक ट्रफ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में माध्य समुद्र तल से 7.6 किमी ऊँचाई पर था, जो आगे बढ़ चुका है। एक ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण, उत्तर पंजाब और निकटवर्ती क्षेत्र में माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊँचाई पर सक्रिय है। एक ऊपरी हवा का चक्रवातीय परिसंचरण, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और निकटवर्ती क्षेत्र में माध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है।

रांझी की गलियों में घूमकर निगमायुक्त ने देखी व्यवस्थाएं

- सुपरवाइजर के घर भी पहुंचे, बच्चों को दुलारा

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने गुरूवार को शहर की स्वच्छता अभियान के तहत सिटी प्रोफाइल के कार्यों का जायजा लिया । वे अचानक रांझी क्षेत्र में पहुंचे इस दौरान उन्होंने सिटी प्रोफाइल के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने क्षेत्र की सडक़ों, साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के कार्यों को देखा। उन्होंने निर्देशित किया कि शहर की स्वच्छता रैंकिंग और नागरिकों की सुविधाओं के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य और लोक निर्माण विभाग की टीम को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद निगमायुक्त अहिरवार ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अस्वस्थ वार्ड सुपरवाइजर फरीद के निवास स्थान पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना।

कर्मचारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए निगमायुक्त ने तत्काल चिकित्सक को फोन लगाया और फरीद के समुचित इलाज की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने अनुरोध किया। इस मुलाकात के दौरान निगमायुक्त ने फरीद की दोनों लाड़ली बेटियों को अपने पास बिठाकर उनसे बातें की और उन्हें दुलारा।

इस अवसर पर निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के साथ अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चैहान, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोला राव, संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा के अलावा स्वास्थ्य और लोककर्म विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।